>

Title: Issue regarding alleged black marketing of Kerosene oil in Uttar Pradesh.

श्रीमती सीमा उपाध्याय (फतेहपुर सीकरी): महोदय, मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहती हूं कि आपने आज शून्यकाल में मुझे बोलने का मौका दिया।

महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय पेट्रोलियम मंत्री जी को अवगत कराना चाहूंगी कि भारत सरकार मिट्टी के तेल पर उत्तर प्रदेश एवं अन्य देश के प्रांतों को अरबों रुपये की सब्सिडी दे रही है। मैं अपने उत्तर प्रदेश के बारे में अच्छी तरह जानती हूं कि गरीबों को राशन कार्ड के द्वारा जो मिट्टी का तेल दिया जाता है, उसकी बड़े पैमाने पर, लगभग 70 प्रतिशत तक ब्लैक मार्किटिंग हो रही है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में मिट्टी के तेल की कीमत वर्तमान में लगभग 14 रुपये प्रति लीटर है, जबकि डीजल की कीमत 50 रुपये 90 पैसे और पेट्रोल की कीमत 72 रुपये 80 पैसे है। इसलिए मिट्टी के तेल में मिलावट करके चार से छः गुना धन कमाया जा रहा है। उदाहरण के रूप में जनपद हाथरस, उत्तर प्रदेश, जिला झांसी में मैं दो बार जिला पंचायत अध्यक्ष रही हूं। तब से मैंने मिट्टी के तेल की कालाबाज़ारी करने वाले **...** * के खिलाफ़ सैंकड़ों शिकायतें माननीय मंत्री, पेट्रोलियम मंत्रालय, भारत सरकार, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश, आई.ओ.सी., एच.पी.सी. रिफाइनरी, मथुरा, उत्तर प्रदेश और प्रशासनिक अधिकारियों को तेल की कालाबाज़ारी की शिकायतें करती चली आ रही हूं।

MR. CHAIRMAN : Names will not go on record.

श्रीमती सीमा उपाध्याय : सर, मैं कह-कह कर थक गयी। इन पर इतनी सारी धाराएं भी लगी हैं। सारे केस उत्तर प्रदेश में हुए और फिर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वापस कर लिए गए। मैं आज यह मजबूर हो कर कहना चाहती हूं कि यह जनहित और देशहित की बात है। मेरा अनुरोध है कि उपरोक्त प्रकरण की सीबीआई जांच करायी जाए। मिट्टी के तेल की कालाबाज़ारी रोकने के लिए कठोर कार्रवाई की जाए। **...** * के द्वारा कमाये गये काले धन को जब्त किया जाए।

MR. CHAIRMAN: Names will not go on record.